नीतिगत फैसलों से पारदर्शिता आएगी

2024 आधार वर्ष वाली सीपीआई सीरीज लागू

नई दिल्ली, 13 फरवरी. 2024 को आधार वर्ष मानकर शुरू की गई नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) सीरीज से महंगाई के आकलन में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. मुख्य आर्थिक सलाहकार वि. अनंथा नागश्रवण के मुताबिक, नई सीरीज बदलते उपभोक्ता खर्च पैटर्न को बेहतर दर्शाती है.

इसमें खाद्य पदार्थों का भार घटाकर सेवाओं का महत्व बढ़ाया गया है, जिससे महंगाई के आंकड़े अधिक सटीक होंगे और नीतिगत फैसलों में पारदर्शिता आएगी. 2024 को आधार वर्ष मानते हुए जारी नई सीपीआई सीरीज से देश में महंगाई के आकलन की पद्धति में महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है. मुख्य आर्थिक सलाहकार वि. अनंथा नागश्रवण ने कहा कि नई श्रृंखला लोगों के वास्तविक खर्च पैटर्न को बेहतर ढंग से दर्शाती है और इससे गरीबी व आय के आकलन में अधिक सटीकता आएगी. उनके अनुसार, अब उपभोक्ता खाने-पीने की वस्तुओं पर अपेक्षाकृत कम और शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा व डिजिटल सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं. जनवरी में नई सीरीज के अनुसार खुदरा महंगाई 2.75 प्रतिशत रही, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 2.73 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 2.77 प्रतिशत दर्ज की गई.

> नई सीरीज में पहले की तुलना में खाद्य महंगाई में बदलाव देखा गया है. पुरानी सीरीज में पिछले सात महीनों से खाद्य महंगाई घट रही थी, लेकिन नई सीरीज में इसमें हल्की बढ़ोतरी दिखी है. बैंक ने इस बदलाव का कारण सीपीआई की सबसे अस्थिर टोकरी, यानी टमाटर, प्याज और आलू जैसी सब्जियों के भार में कमी को बताया है. नई सीरीज में वस्तुओं की संख्या 299 से बढ़ाकर 358 कर दी गई है. इसमें 1,465 ग्रामीण और 1,395 शहरी बाजारों के साथ 12 ऑनलाइन बाजारों को भी शामिल किया गया है, और सीपीआई बास्केट में खाद्य पदार्थों का भार 45.8 प्रतिशत से घटाकर 40.1 प्रतिशत कर दिया गया है.

विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा

मुंबई, 13 फरवरी. स्वर्ण भंडार में 14.208 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के कारण 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया. इससे पहले, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.361 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 723.774 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था. रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 06 फरवरी को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया. स्वर्ण भंडार में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह सोने की कीमतों में बदलाव है.आलोच्य सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 7.661 अरब डॉलर बढ़कर 570.053 अरब डॉलर पर पहुंच गयी.

मेडिकल स्टार्टअप में नए अवसरों को देखें

गोयल ने फाइजर आईडोवेशन स्टार्टअप प्रोग्राम को संबोधित किया

व्यापार समझौतों से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया

नई दिल्ली ,13 फरवरी. केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को मेडटेक स्टार्टअप इकाइयों से घरेलू बाजार से विस्तृत विश्व बाजार की ओर देखने तथा अन्य देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया.

गोयल ने आज यहां फाइजर आईडोवेशन स्टार्टअप शोकेस प्रोग्राम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने जिन देशों और समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतें किये हैं उससे भारतीय उत्पादकों और विनिर्माताओं और निर्यातकों को इतना बड़ा बाजार मिला है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है. उन्होंने इसी इकाइयों को भारत और दुनिया दोनों की सेवा के लिए किफायती नवाचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने का आग्रह किया. उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जब भारत ने हाल में यूरोपीय संघ और अमेरिका जैसे दो बड़े बाजारों के साथ व्यापार समझौते करने से पहले, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन, चार यूरोपीय देशों के मुक्त व्यापार संघ (यूएफटीए) और ओमान जैसे अमीर देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार के समझौते किये हैं. उन्होंने कहा कि किफायती और विस्तार योग्य चिकित्सा प्रौद्योगिकी देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों तक पहुंचने में मदद कर सकती है.

> गोयल ने कहा कि स्टार्टअप्स को घरेलू बाजार तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए और वैश्विक मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेना चाहिए. उन्होंने आश्वासन दिया कि वाणिज्य मंत्रालय प्रतिनिधिमंडलों को सहयोग देगा और 190 से अधिक देशों में स्थित भारत के दूतावास नवप्रवर्तकों की सहायता के लिए तत्पर हैं. उन्होंने विकसित बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए 100 से अधिक देशों में मौजूद वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग को भी प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि किफायती और बड़े पैमाने पर उत्पादन योग्य चिकित्सा प्रौद्योगिकी उत्पाद लागत कम कर सकते हैं और बड़े पैमाने पर उत्पादन से गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं.

खरीदारी से संभले सोना-चांदी

एमसीएल पर सोना 1%, चांदी 2.5% चढ़ी

मुंबई, 13 फरवरी. हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कीमती धातुओं में जोरदार तेजी दर्ज की गई. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएल) पर सोना 1 प्रतिशत से अधिक और चांदी 2.5 प्रतिशत तक उछली.

पिछले सत्र की गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी की, जिससे दामों में रिकवरी देखने को मिली. बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी से आगे भी कीमती धातुओं को समर्थन मिल सकता है. घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएल) पर शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया. अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 1 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 1,54,837 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर पर पहुंच गया.

भारत भर में 164 वंदे भारत ट्रेन सेवाएं चालू

274 जिलों में कनेक्टिविटी और पर्यटन को बढ़ावा

अहमदाबाद,13 फरवरी. भारतीय रेलवे की वंदे भारत एक्सप्रेस ने फरवरी 2019 में मात्र एक सेवा से अपनी शुरुआत की थी और आज यह 164 ट्रेनों के सशक्त नेटवर्क के रूप में देश के प्रमुख शहरों को जोड़ रही है. विश्वस्तरीय वंदे भारत सेवाएं तेज़, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का नया मानक स्थापित कर रही हैं. इनकी बढ़ती लोकप्रियता यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या से स्पष्ट है.

गुजरात से संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं ने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण एवं यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. जनवरी 2025 से जनवरी 2026 तक की 13 माह की अवधि में गुजरात से चलने वाली 5 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को यात्रियों का अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला है. इस अवधि में लगभग 32 लाख यात्रियों ने इन प्रीमियम ट्रेनों से यात्रा की. इन सेवाओं में न केवल यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है, बल्कि कई मार्गों पर मांग क्षमता से कहीं अधिक, मुंबई-अहमदाबाद-मुंबई के बीच लगभग 140% तक ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई है, यह लोकप्रियता को दर्शाती है. अहमदाबाद-ओखा के बीच ऑक्यूपेंसी लगभग 90% रही है, साबरमती-जोधपुर के बीच ऑक्यूपेंसी 81% से अधिक रही है. अहमदाबाद-मुंबई वंदे भारत ट्रेन सेवा कई यात्रियों की पहली पसंदीदा विकल्प बन गई है. पेशेवरों, व्यावसायिक और नियमित यात्रियों के द्वारा इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है. यह सेवा भारत के दो प्रमुख प्रौद्योगिकी केंद्रों को जोड़ती है.

मेक इन इंडिया पहल के तहत निर्मित, प्रत्येक ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है. इनमें स्वचालित प्लग वाले दरवाजे , घूमने वाली सीटें और बायो-वैक्यूम शौचालय शामिल हैं. इनमें जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और पूर्ण सीसीटीवी कवरेज भी है. ये सुविधाएं प्रत्येक यात्री के लिए विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव सुनिश्चित करती हैं.

शेयर बाजारों में रही गिरावट

सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा

मुंबई, 13 फरवरी. विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 1,048.16 अंक (1.25 प्रतिशत) लुढ़ककर 82,626.76 अंक पर पहुंच गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 336.10 अंक यानी 1.30 प्रतिशत टूटकर 25,471.10 अंक पर बंद हुआ. प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन टूटे हैं. यह दोनों सूचकांकों का 02 फरवरी के बाद का निचला स्तर है.मझौली और छोटी कंपनियों पर और भी अधिक दबाव रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.69 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.79 फीसदी गिर गया. आईटी, एफएमसीजी, धातु, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य और रसायन समेत सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए.आईटी कंपनियों में सुबह तेज गिरावट थी, लेकिन बाद में उनमें काफी सुधार हुआ. सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस (करीब ढाई प्रतिशत) और भारतीय स्टेट बैंक की तेजी को छोड़कर अन्य कंपनियों गिरावट में रही. हिंदुस्तान यूनीलिवर और इटरनल के शेयर चार प्रतिशत से अधिक गिर गये. टाटा स्टील, टाइटन, टीसीएस, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दो प्रतिशत से अधिक टूटे.

> बीईएल, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, इंफोसिस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और इंडिगो में एक से दो प्रतिशत के बीच गिरावट रही. सनफार्मा, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और एलएंडटी के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए. विदेशों में दूसरे एशियाई बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए.

सीए विजय चौधरी को आईसीएआई का सम्मान

नई दिल्ली,13 फरवरी. एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड यह बताते हुए गौरवान्वित है कि सी.ए. विजय कुमार चौधरी, कार्यपालक निदेशक (वित्त), एनबीसीसी को वर्ल्ड ऑफ फाइनेंस एंड अकाउंटिंग (डब्ल्यू.ओ.एफ.ए.) 2026 के दौरान आयोजित 19वें आई.सी.आई.ए. अवार्ड्स में प्रतिष्ठित ' सी.ए. सी.एक्स.ओ.- फॉर लार्ज कॉर्पोरेट - सर्विसेज' अवार्ड से सम्मानित किया गया.

वित्तीय अभिशासन और कॉर्पोरेट प्रबंधन में उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और नेतृत्व का प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठित प्रोफेशनल्स को सम्मानित करने के क्रम में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक सांविधिक निकाय, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई.) द्वारा यह अवार्ड प्रदान किया गया. यह सम्मान सी.ए. विजय कुमार चौधरी की अनुकरणीय व्यावसायिक उपलब्धियों और उनके कार्यनीतिक वित्तीय नेतृत्व को मान्यता देता है, जिसने एनबीसीसी के वित्तीय प्रबंधन ढांचे और अभिशासन मानकों को काफी सुदृढ़ किया है. उल्लेखनीय है कि आई.सी.ए.आई. ने व्यवसाय में उनके उत्कृष्ट योगदान को दूसरी बार मान्यता दी है.

अवसंरचना और निर्माण क्षेत्र में उनके असाधारण प्रदर्शन और प्रभाव को मान्यता देते हुए वर्ष 2019 में उन्हें 12वें आई.सी.ए.आई. लीडर्स एंड बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स में 'सी.ए. अचीवर - इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर' अवार्ड से सम्मानित किया गया था.

रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई, 13 फरवरी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 17 पैसे की मजबूती के साथ 90.55 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 22 पैसे टूटकर 90.78 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपया 23 पैसे की बढ़त में 90.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. यह ऊपर 90.40 रुपये और नीचे 90.66 रुपये प्रति डॉलर तक गया. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में नरमी, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में लिवाली से रुपया मजबूत हुआ है.

वाहनों की जनवरी में रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली, 13 फरवरी. जीएसटी सुधारों और नीतिगत प्रोत्साहनों के दम पर घरेलू बाजारों में वाहनों की बिक्री में तेजी का सिलसिला जनवरी में भी जारी रहा और दुपहिया तथा तिपहिया वाहनों के खंड में रिकॉर्ड थोक बिक्री दर्ज की गयी.

वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में घरेलू बाजारों में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 12.6 प्रतिशत बढ़कर 4,49,616 इकाई पर पहुंच गई. इसी प्रकार दोपहिया वाहनों की बिक्री 26.02 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 19,25,603 इकाई पर रही. तिपहिया वाहनों की बिक्री में 30.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 75,725 इकाई पर पहुंच गयी.

समाचार विशेष

यूपी में बिहार जैसा कारनामा कर पाएंगे ओवैसी

2027 में होगा 2022 वाला हाल या एआईएमआईएम करेगी अखिलेश का बुरा हाल?

लखनऊ. असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का स्ट्राइक रेट पिछले एक साल में शानदार रहा है. जिसके चलते पार्टी के हौसले सातवें आसमान पर हैं. एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव और हालिया महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर आगे के रास्ते बनाने शुरू कर दिए हैं.

पिछले साल नवंबर में हुए बिहार चुनाव में एआईएमआईएम ने पांच विधानसभा सीटें जीतीं. यहां आंकड़ा बिहार की कई क्षेत्रीय पार्टियों से भी बेहतर. इसके बाद हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने हाल ही में महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में अपेक्षा से बेहतर नतीजे हासिल किए हैं.

ओवैसी की पार्टी ने महाराष्ट्र में 13 नगर निगमों के 125 वॉर्डों में जीत हासिल की है. यह आंकड़ा पिछले नगर निगम चुनावों में जीते गए 56 वॉर्डों की तुलना में कहीं अधिक है. खास बात यह है कि ओवैसी की पार्टी ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी 8 वार्डों में जीत हासिल करने में कामयाब रही है. पार्टी प्रेसिडेंट ओवैसी एक के बाद एक राज्य में जीत से उत्साहित हैं. पार्टी उत्तर प्रदेश में आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव लड़ने की भी प्लानिंग कर रही है. एआईएमआईएम ने इसका ऐलान कर दिया है.

सपा का पीडीए फार्मूला कर रहा काम

> यूपी में मुस्लिम समुदाय तकरीबन एकतरफा सपा को वोट करता है. राज्य विधानसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है. साल 2024 के आम चुनाव में पीडीए फार्मूले के तहत 37 लोकसभा सीटें जीतीं और भाजपा को पीछे छोड़कर यूपी में सबसे बड़ी पार्टी बन गई. माना जा रहा है कि अखिलेश यादव आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा और सीएम योगी आदित्यनाथ को कड़ी चुनौती देगी.

बिहार में कब नेता चुनेगी कांग्रेस?

पटना. यह सही है कि बिहार में कांग्रेस के सिर्फ छह विधायक हैं. लेकिन उन छह विधायकों का भी एक नेता तो होना चाहिए. 403 सदस्यों वाले उत्तर प्रदेश में तो कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं. फिर भी उन दो विधायकों की नेता अराधना मिश्र मोना चुनी गई हैं. ऐसे ही छह विधायकों का नेता चुना जाना चाहिए. लेकिन चुनाव के तीन महीने बीत जाने के बाद भी कांग्रेस ने नेता नहीं चुना है.

पिछले दिनों कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने सभी छह विधायकों को बुलाया था. राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके साथ मीटिंग की. कहा गया कि पटना लौट कर नेता चुना जाएगा लेकिन 10 दिन बाद भी वहीं स्थिति है और बिहार में विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है.

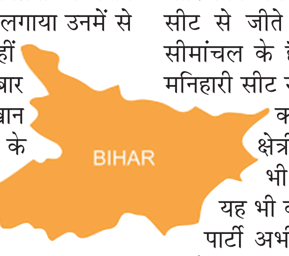

असल में कांग्रेस ने जिन नेताओं पर दांव लगाया उनमें से कोई चुनाव नहीं जीता है. पिछली बार शकील अहमद खान विधायक दल के नेता थे. लेकिन इस बार वे हार गए हैं. प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी चुनाव हारे हैं. विजय शंकर दुबे जैसे बड़े नेता की टिकट काट दी गई थी. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा विधान परिषद में हैं. इसलिए कांग्रेस के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है. जो छह विधायक जीते हैं उनमें से दो मुस्लिम हैं. कांग्रेस के दो विधायक उत्तर बिहार की वाल्मिकी नगर और चनपटिया सीट से जीते हैं, जबकि तीन सीमांचल के हैं. एक विधायक मनिहारी सीट से जीते हैं. कांग्रेस को जातीय और क्षेत्रीय दोनों संतुलन भी बनाना है. हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि पार्टी अभी देख रही है कि उसके विधायक कितने दिन तक साथ रहते हैं. माना जा रहा है कि अप्रैल में होने वाली राज्यसभा चुनाव तक कुछ टूट फूट हो सकती है.

प्रशांत किशोर की दोहरी रणनीति

एक रणनीति अपनी और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखने की

पटना. जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार का मैदान नहीं छोड़ रहे हैं. लेकिन वे दोहरी रणनीति पर काम कर रहे हैं. एक रणनीति अपनी और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखने की है. उनको पता है कि अगर वे प्रासंगिक बने रहेंगे और जमीनी राजनीति करके बिहार का मुद्दा उठाते रहेंगे तो गठबंधन की मौजूदा राजनीति में जगह बनाने में आसानी होगी.

उनको पता है कि बिहार की राजनीति अभी निकट भविष्य में दो ध्रुवीय नहीं होने वाली है. भाजपा और कांग्रेस के साथ साथ दोनों प्रादेशिक पार्टियां राजद और जदयू की मजबूती कायम रहने वाली है. तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों का भी अलग अलग इलाकों में मजबूत आधार है. इनके अलावा लोजपा, हम, रोलोमो जैसी कई पार्टियां हैं, जिनका आधार है.

ऐसे बंटे हुए राजनीतिक स्पेस में एक नई पार्टी के स्वतंत्र रूप से राजनीति करने सफल होने की संभावना कम रहती है. लेकिन किसी एक या कई पार्टियों के साथ मिल कर मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार करने की संभावना हमेशा रहती है. नीतीश कुमार ने यही काम भाजपा के साथ मिल कर किया.

1995 में 324 सदस्यों की विधानसभा में सिर्फ पांच सीट जीतने के बाद भी नीतीश जमीन पर डटे रहे थे. उसी तरह प्रशांत किशोर भी जमीन पर डटे हैं और अब उन्होंने बिहार नवनिर्माण यात्रा शुरू की है. उन्होंने कहा है कि अगर सरकार महिलाओं को उद्यमी योजना के तहत दो दो लाख रुपए नहीं देती है तो वे आंदोलन करेंगे.

तमिलनाडु चुनाव में शशिकला उतारेंगी उम्मीदवार, जयललिता जयंती पर चुनावी शंखनाद

राजनीति में शशिकला की फिर दस्तक!

चेन्नई. विवेकानंदन कृष्णावेनी शशिकला 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने जा रही हैं, जो राज्य में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को फिर से स्थापित करने का एक नया प्रयास है.

सूत्रों के अनुसार दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की पूर्व सहयोगी विशेष रूप से दक्षिणी जिलों और थेवर क्षेत्र में अपने प्रभाव का परीक्षण करने की तैयारी कर रही हैं, जहां माना जाता है कि उनका एक वफादार समर्थक आधार अभी भी मौजूद है. उनके समर्थक संभवत: अन्ना द्रविड़ कजगम के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे, यह पार्टी 2018 में उनके भाई वीके दिवाकरन द्वारा बनाई गई थी. इस कदम को तमिलनाडु के तेजी से बदलते चुनावी परिदृश्य में वर्षों तक हाशिये पर रहने के बाद एक स्वतंत्र राजनीतिक स्थान बनाने के रणनीतिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है.

खबरों के मुताबिक, शशिकला जमीनी स्तर पर समर्थन का आकलन करने और चुनावी हस्तक्षेप की सीमा तय करने के लिए वफादारों और पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों के साथ कई परामर्श बैठकें कर रही हैं. इसी तैयारी के तहत, वह कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और अपनी नई राजनीतिक सक्रियता का संकेत देने के लिए कल्लकुरुची जिले में एक जनसभा आयोजित करने की योजना बना रही हैं. उनके भविष्य के कदमों के बारे में आधिकारिक घोषणा 24 फरवरी को होने की उम्मीद है, जो जयललिता की जयंती के साथ मेल खाती है.

प्रभावशाली हस्तियों में से एक

> कभी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक मानी जाने वाली शशिकला ने 2016 में जयललिता की मृत्यु के बाद कुछ समय के लिए अंतरिम महासचिव का पद संभाला था. हालांकि, आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उनके करियर को बड़ा झटका लगा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें चार साल की जेल हुई और बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया. एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने पार्टी में उनकी पुन: एंट्री की संभावना को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है.